जो होते पास विद् ऑनर वो बुद्धि योग नही भटकाते
देह को याद करने वाले उंच पद नही पाते
आत्मा जीते जी मर कर बाप का बन जाये
देह -अभिमान बिल्कुल छूट जाये
देहि -अभिमानी हो निरन्तर याद करना..बड़ी मंजिल
किसी के नाम रुप में नही लटकना
शरीर की याद होती भूतों की याद
सेंसिबल हो धारणा करनी
ज्ञान की पॉइंट्स बुद्धि में रखनी
तड़पती आत्माओं को क्यू में खड़ा रख कष्ट नही देना
एवररेडी रहना..आते जाये और लेते जाये,स्टॉक रखना
हर संकल्प, हर सेकंड दाता बन देते चलो
हज़ूर बुद्धि में हाज़िर,तो
सर्वप्राप्तियां करेंगी जी हज़ूर

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!